Executive Summary

1. आधुनिकनारी आत्मनिर्भरता के लिए विविध क्षेत्रों में कार्यरत है, उसकी यह आत्मनिर्भरता परिवार तथा समाज को सुदृढ बनाती है।अपितु इस के लिए परिवार के साथ साथ कार्यक्षेत्रीय जीवन में भी अथक संघर्ष करना पड रहा हैं।इसका यथार्थ चित्रण अंतिमदशक के उपन्यासों में हुआ है।
2. विवेच्य उपन्यासकारों ने नारी को वस्तु न मानकर व्यक्ति के रुप में चित्रण किया है।
3. शिक्षित नारी परिवार के सीमित एवं संकुचित दायरे से निकल कर समाज, सृष्टि एवं मानव जीवन का ज्ञान प्राप्त कर अपने व्यक्तित्वका विकास कर रही हैं।
4. आज की नारी में जागरुकता बढ गयी जिससे उसने सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक आदि क्षेत्रों में पदार्पण किया है।
5. नारी अपनी योग्यता, प्रतिभा और बौद्धिकता के बल पर अपने कार्यक्षेत्र में सफल हो रही है। किंतु घर और बाहर दोंनो क्षेत्रों में उसका संघर्ष बढ रहा है।
6 आधुनिक नारी चित्रण के माध्यम से उपन्यासकारों ने नारी के युगों से चल रहें पारिवारिक शोषण, अन्याय, अत्याचार एवं धार्मिक बंधनों से उसे मुक्ति दिलाने हेतु आवाज उठाई है।
7. उपन्यासकारों नें नारी शिक्षा , नारी समता ,नारी अधिकार आदि बातों पर बल देकर उसे पुरुषों के दासत्व से मुक्ति दिलाने के प्रयास किये है।
8. आज की नारी का व्यक्तित्व गृहिणी तथा कार्यशिल नारी के रुप में दोहरा हो गया है। इन दो उत्तरदायित्वो ंमें उलझकर उसका व्यक्तित्व बिखर गया है।
9. परिवार के साथकार्य क्षेत्र की चुनौतियों को स्वेच्छा से स्वीकार कर उनको सफलता से नारी निभा रही हैं।
10. स्व अस्तित्व की पहचान तथा स्वाभिमान की रक्षा के लिए आज की नारी संघर्ष कर रही हैं।